आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
सोमवार 08.09.2025
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारतीय अर्थव्यवस्था को और अधिक आत्मनिर्भर बनाने और निर्यात में उत्कृष्टता हासिल करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।
- केंद्रीय अंतर मंत्रालय टीम ने चमोली और उत्तरकाशी जिले के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का जायजा लिया।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बरसात समाप्त होते ही प्रदेश में पुनर्निर्माण और आधारभूत संरचना के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।
- पिथौरागढ़ जिला प्रशासन ने जिले के मेधावी छात्र–छात्राओं को एक दिन के लिए जिलाधिकारी के रूप में कार्य करने का अवसर दिया।

राश्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देशवासियों से भारत को ज्ञान और व्यापार का प्रमुख केंद्र बनाने का आह्वान किया है। राष्ट्रपति ने आज नई दिल्ली में इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद– ई.ई.पी.सी. के प्लेटिनम जुबली समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को और अधिक आत्मनिर्भर तथा निर्यात में उत्कृष्ट बनाने की आवश्यकता है।
राष्ट्रपति ने कहा कि कोरोना काल में रखी गई आत्मनिर्भर भारत की नींव लगातार मजबूत हो रही है।
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ई.ई.पी.सी के सभी हितधारकों से देश में उपलब्ध प्रतिभा और ऊर्जा के लिए एक मंच प्रदान कर भारत को अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने का आग्रह किया।

अंतर मंत्रालय टीम जायजा

केंद्रीय अंतर मंत्रालय टीम ने आज चमोली और उत्तरकाशी जिले के आपदा प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का जायजा लिया। टीम ने चमोली जिले के आपदा प्रभावित थराली के चेपड़ो, कोटडीप, राड़ीबगड़, देवाल के मोपाटा और नंदानगर आपदा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। साथ ही सड़क मार्ग से भी क्षतिग्रस्त इलाकों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान टीम के सदस्यों ने स्थानीय प्रशासन, आपदा प्रभावित ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों से बातचीत की, जिससे वास्तविक स्थिति और चुनौतियों को समझा जा सके। अंतर मंत्रालय केंद्रीय टीम का नेतृत्व कर रहें निदेशक डॉ. वीरेन्द्र सिंह ने कहा कि उनके इस दौरे का मुख्य उद्देश्य आपदा से हुई वास्तविक क्षति का आकलन करना है, ताकि केंद्र सरकार को प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर प्रभावित क्षेत्रों के लिए आवश्यक सहायता और पुनर्निर्माण कार्यों की योजना शीघ्र बनाई जा सके। वहीं, केंद्रीय टीम के सदस्यों ने उत्तरकाशी जिले के मुखवा, हर्षिल और धराली के आपदा प्रभावित इलाकों का भी स्थलीय निरीक्षण किया। टीम ने प्रशासन और संबंधित विभागीय अधिकारियों से क्षति और पुनर्निर्माण कार्यों के आकलन की जानकारी ली। केंद्रीय टीम ने धराली आपदा में प्रभावित क्षेत्र में कार्यरत अधिकारियों और प्रभावित लोगों के साथ बातचीत कर स्थिति की समीक्षा की। केंद्रीय टीम रुद्रप्रयाग, पौड़ी, बागेश्वर और नैनीताल जिलों का भी भ्रमण कर नुकसान का आकलन करेगी।

मुख्य सचिव

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में आज सचिवालय में प्रदेश सरकार और डीआरएम मुरादाबाद, संग्रह मौर्य के साथ सामंजस्य बैठक हुई। बैठक में रेलवे और राज्य सरकार के बीच विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने ऋषिकेश–डोईवाला रेलवे बाईपास के लिए राजाजी राष्ट्रीय पार्क, रेलवे और प्रभागीय वनाधिकारी की टीम को शीघ्र ही संयुक्त सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए। साथ ही हर्रावाला रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण कार्य में तेजी लाने के लिए रेलवे, वन एवं राजस्व की संयुक्त टीम को सर्वे पूरा कराने को कहा। मुख्य सचिव ने रेलवे स्टेशंस के फेस लिफ्टिंग में ऋषिकेश और हरिद्वार को भी शामिल किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि कुम्भ की तैयारियों को लेकर होने वाली आगामी बैठक में रेलवे से भी प्रतिनिधित्व मिले। उन्होंने रेलवे और उत्तराखण्ड सरकार के बीच सूचनाओं के आदान प्रदान के लिए भी मैकेनिज्म तैयार करने पर बल दिया। बैठक में डीआरएम, संग्रह मौर्य ने बताया कि देहरादून–मसूरी रेलवे प्रोजेक्ट का प्राथमिक सर्वे हो गया है और फाइनल लोकेशन सर्वे शीघ्र शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सहारनपुर–देहरादून प्रोजेक्ट का फाइनल लोकेशन सर्वे गतिमान है। उन्होंने बताया कि हर्रावाला रेलवे स्टेशन की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट स्वीकृत हो गई है और प्रोजेक्ट की स्वीकृति होनी बाकी है।

मुख्यमंत्री बैठक

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज देहरादून में शासन व पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और वर्चुअल माध्यम से जुड़े सभी जिलाधिकारियों को आपदा प्रबंधन, कानून व्यवस्था, पुनर्निर्माण कार्यों, पर्यटन व जनसुविधाओं से संबंधित व्यापक दिशा–निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बरसात समाप्त होते ही मरम्मत, पुनर्निर्माण और आधारभूत संरचना के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी निर्माण कार्यों में स्थानीय मजदूरों को प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि आपदा प्रभावितों को मानकों के अनुसार त्वरित सहायता राशि उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कानून व्यवस्था में बाधा डालने वालों पर सख्त कार्रवाई करने, अनधिकृत आधार कार्ड, वोटर आईडी और कनेक्शन जारी करने वालों पर नियमित कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने कहा कि बाहरी व्यक्तियों व संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा के अधिकार के तहत प्रदान किए जा रहे विभिन्न प्रमाण पत्रों को आवेदनकर्ता जिस भाषा में मांगते हैं, उसी भाषा में उपलब्ध कराया जाए।

मेधावी छात्र सम्मान

पिथौरागढ़ जिला प्रशासन ने एक अनूठी पहल करते हुए आज जिले के मेधावी छात्र–छात्राओं को एक दिन के लिए जिलाधिकारी के रूप में कार्य करने का अवसर दिया। इस मौके पर बच्चों को न केवल सम्मानित किया गया, बल्कि उन्हें जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली से भी अवगत कराया गया। इस दौरान छात्र–छात्राओं ने जिलाधिकारी की कुर्सी संभालते हुए अधिकारियों से विभागीय कार्यों, योजनाओं के क्रियान्वयन और प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी ली। साथ ही जनता की समस्याओं को दूर करने के लिए जरूरी दिशा–निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य मेधावी छात्रों को सम्मानित करने के साथ ही उन्हें प्रशासनिक व्यवस्था से रूबरू कराना है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके।
छात्रा शिवांगी ने कहा कि इस पहल से उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला।

जनता दरबार टिहरी

टिहरी जिले की मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल की अध्यक्षता में आज नई टिहरी में जनता दरबार आयोजित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि जनता दरबार में 45 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण किया गया। उन्होंने बताया ज्यादातर शिकायतें बारिश से हुए नुकसान से जुड़ी थीं, जिनके समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

विधिक जागरुकता रैली

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में आज रुद्रप्रयाग में विधिक जागरूकता रैली निकाली गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव पायल सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस रैली में स्कूली बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के हेल्पलाइन नम्बर 1–5–1–0–0, अधिकार मित्र की भूमिका, निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। रैली का उद्देश्य समाज में शिक्षा और साक्षरता के महत्व को उजागर करना था।